प्रेस विज्ञप्ति
तत्काल प्रकाशनार्थ

फोर्टिस हेल्थकेयर : भारत में कार्डियोलॉजी के मामलों की निगरानी करने और क्लीनिकल परिणाम प्रकाशित करने वाला सबसे पहला अस्पताल बना

*एंपिरिकल डेटा से खुलासा हुआ है कि फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट अपने वैश्विक समकक्षों के साथ आईसीएचओएम (**ICHOM**) नियम रोगी को सशक्त बनाने और मूल्य आधारित सेवाएं देने की दिशा में बड़ा कदम*

24 फरवरी, 2016, नई दिल्ली : फोर्टिस हेल्थकेयर रोगी केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को और मज़बूती देने अपने प्रयासों को जारी रखते हुए भारत की पहली निजी हेल्थकेयर चेन बन गया है जिसने अपनी प्रमुख कार्डियोलॉजी प्रक्रिया के नतीजों की निगरानी और उनके क्लीनिकल नतीजे प्रकाशित किए हैं। ये नतीजे इंटरनैशनल कंसोर्टियम फॉर हेल्थ आउटकम्स मेज़रमेंट (ICHOM) द्वारा निर्धारित वैश्विक मानकों पर आधारित हैं। ये नियम वैश्विक स्तर पर बेहतरीन नतीजों से तुलना करने और अस्पतालों को यह विश्लेषण करने और समझने में मदद करते हैं कि वे क्लीनिकल नतीजे निर्धारित करने वाले कारकों के लिहाज़ से वैश्विक स्तर पर कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं।

फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री भवदीप सिंह ने कहा, *''हम मूल्य आधारित चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने और नतीजों में ज़्यादा पूर्वानुमान लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। फोर्टिस हमेशा ही ऐसी पहल करने में आगे रहा है, जो हेल्थकेयर की सुविधाओं में सुधार लाने के साथ ही सिस्टम को पारदर्शी और मुक्त बनाती हैं। मेरा मानना है कि यह रोगी सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही यह उन कदमों को मज़बूती प्रदान करता है, जिन्हें हम प्रमाण आधारित प्रोटोकॉल के ज़रिए मेडिकल देखभाल बेहतर करने के लिए उठा रहे हैं। ये कदम रोगियों को भी उनके समक्ष मौजूद मेडिकल विकल्पों और उनसे मिलने वाले संभावित नतीजों का स्पष्ट आकलन करने में मदद करता है।''*

इन आंकड़ों पर आधारित फोर्टिस एस्कॉर्ट्स इंस्टीट्यूट (FEHI) ने असाधारण नतीजे प्रदर्शित किए हैं और यह अपने समकक्षों के मुकाबले कई क्षेत्रों में आगे है, जो वैश्विक स्तर पर उपलब्ध कार्डिएक मानकों में शामिल हैं। एफईएचआई (FEHI) का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है और यहां ऑपरेशन के

बाद न्यूरोलॉजिकल स्ट्रोक्स, रीनल फेल्यर, वैस्कुलर जटिलताएं, एक्यूट वेसज ऑक्लूजंस, पेरि–ऑपरेटिव

मायोकार्डियल इन्फार्कशंस और असफल ऑपरेशंस में इमरजेंसी सीएबीजी के मामले शून्य या नगण्य हैं। (संलग्नक 1– समकक्षों के साथ किए गए तुलनात्मक विश्लेषण हमारी वेबसाइट www. Fortishealthcare.com पर भी देखे जा सकते हैं)।

श्री भवदीप सिंह ने आगे बताया, *''इस स्थान पर पहुंचकर हम बहुत खुश हैं। रोगियों का उन चिकित्सकीय प्रक्रियाओं के नतीजों और प्रभावों के बारे में जानना बहुत ज़रूरी होता है, जिन्हें कराने पर वह विचार कर रहे हैं। (ICHOM) नियमों पर आधारित नतीजे सार्वजनिक कर फोर्टिस ने अपने रोगियों को सशक्त बनाया है और अन्य हेल्थकेयर सेवा प्रदाताओं के मुकाबले सुरक्षा के साथ गुणवत्तापूर्ण देखभाल उपलब्ध कराने वालों के मुकाबले बहुत बड़ा कदम उठाया है।''*

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट **(FEHI)** के चेयरमैन डॉ. अशोक सेठ ने कहा, *''यह संस्थागत जवाबदेही तय करने और अपने रोगियों के लिए सबसे बेहतरीन सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर इन नतीजों का विश्लेषण और ऑडिट होने से हमें एंजियोप्लास्टी और बाईपास सर्जरी उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। इससे हमें एक बेंचमार्क भी मिलता है, जो यह बताता है कि हम क्या अच्छा कर रहे हैं और क्या बेहतर कर सकते हैं। यह हमारे रोगियों के साथ रखे जाने वाले खुलेपन का भी लिटमस टेस्ट होता है, जिससे वे सोच–समझकर फैसले ले सकें।'' सबसे अहम बात है कि हमारे नतीजे ऑडिटेड होते हैं और समीक्षा के लिए उपलब्ध हैं। ऐसा भारत में शायद पहली बार हुआ हो लेकिन अगले साल से बेहतरीन गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं भविष्य में ऐसी ही पहलों पर आधारित होंगी, जिनकी रोगियों को ज़रूरत होगी और वे उनकी मांग करेंगे।''*

आईसीएचओएम (ICHOM) कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ स्टीयरिंग कमिटी के हिस्से के तहत फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट (FEHI) पहला एशियाई अस्पताल बना, जो क्लीनिकल गुणवत्ता, कोरोनरी आर्ट्री बाईपास ग्राफ्ट (CABG) और परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन (PCI) कराने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद जटिलताएं (गुर्दे खराब होना, हार्ट अटैक, जख्मों के संक्रमण) की निगरानी के लिए आईसीएचओएम कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ सेट को क्रियान्वित कर रहा है।

फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड के प्रमुख (मेडिकल रणनीति एवं ऑपरेशंस ग्रुप) डॉ. विष्णु पाणिग्रही ने बताया, *''यह प्रक्रिया बहुत कठिन है। ICHOM मेथडोलॉजी अपनाने के लिए करीब दो से तीन साल का समय लगता है क्योंकि विश्लेषण की खातिर स्थिर डेटा इतने ही समय में उपलब्ध हो पाता है। इस क्षेत्र में सबसे पहले शुरूआत करने के बाद फोर्टिस अब इस प्रक्रिया को तेज़ करने में और जल्द*

ही अन्य अस्पतालों और स्पेशिएलिटीज़ को इसमें शामिल करेगा, जिनमें फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट और फोर्टिस हॉस्पिटल्स, मोहाली, मुलुंड और कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज (CAD) बेंगलुरू भी शामिल हैं। इस साल के अंत में फोर्टिस गुर्दे प्रत्यारोपण के नतीजे भी प्रकाशित करेगा।"

फोर्टिस, उस ICHOM वर्किंग ग्रुप का हिस्सा रहा है, जिसने कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ (CAD) के लिए मानक निर्धारित किए हैं। इन्हें नवंबर 2013 में हार्वर्ड बिज़नेस स्कूल, बोस्टन के प्रोफेसर माइकल पोर्टर ने जारी किया था। साल 2014 से फोर्टिस आईसीएचओएम की कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ (CAD) के लिए स्टीयरिंग कमिटी का अभिन्न सदस्य रहा है।

प्रासंगिक ठोस डेटा उपलब्ध होने के बाद अस्पताल नियमित तौर पर अपने क्लीनिकल परिणामों का आकलन करने के साथ ही उन्हें सुधारने की दिशा में कदम उठा सकते हैं। इसके साथ ही यह डेटा वैध और तुलनात्मक मानक उपलब्ध कराता है, जिनके आधार पर रोगी उनके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर गौर करने के बाद सोच–समझकर फैसला कर सकते हैं।

फोर्टिस ने यह रोगी हितैषी कदम सबसे पहले उठाया है और यह पहला अस्पताल बन गया है, जिसने अपनी वेबसाइट पर वैध परिणामों की जानकारी दी है, जिनकी सार्वजनिक समीक्षा की जा सकती है। यह पहल सांगठनिक जवाबदेही और पारदर्शिता को पुख्ता करता है, जो अस्पताल अपने रोगियों और पक्षधारकों के प्रति रखता है। सबसे अहम बात है कि इस पहल से फोर्टिस विश्व के सबसे बेहतरीन अस्पतालों की सूची में शामिल हो गया है, जो रोगियों विशेष तौर पर अंतरराष्ट्रीय रोगियों का, सोचे–समझे फैसले लेने का अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही विभिन्न देशों के रोगियों को मेडिकल देखभाल उपलब्ध कराने में सक्षम बनाता है।

FEHI और VitalHealth™ क्लीनिकल परिणाम के लिए प्रॉपराइटरी क्वेस्ट मैनेजर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करता है, जिससे सुनिश्चित करता है कि FEHI में इस्तेमाल की जाने वाली मेथेडोलॉजी आईसीएचओएम द्वारा निर्धारित किए गए उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय मानकों और नियमों का पालन सुनिश्चित करे। इसमें विशिष्ट फीचर पेशेंट–रिपोर्टेड आउटकम मेज़र्स (PROMs) भी उपलब्ध है, जो इस पूरी पहल में उपभोक्ताओं का पक्ष रखकर इसे ज़्यादा निष्पक्ष बनाता है।

द इंटरनैशनल कंसोर्टियम फॉर हेल्थ आउटकम्स मेज़रमेंट्स (**ICHOM**), एक गैर–लाभकारी संगठन है, जिसकी स्थापना तीन प्रतिष्ठित संस्थानों– द हार्वर्ड बिज़नेस स्कूल, द बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट ने मिलकर की थी। इस संगठन का उद्देश्य परिणामों का मानकीकरण करना है, जिससे यह प्रदर्शित हो, जो लोगों की मेडिकल देखभाल के लिए मायने रखता है; मानकीकरण का समर्थन करना, जो तभी हो सकता है, जब हर कोई एक ही चीज़ को

समान प्लेटफॉर्म पर माप रहा हो; रोगियों और क्लीनिशियंस को पूरी पारदर्शिता उपलब्ध कराना जिससे अन्य क्लीनिशियनों के नतीजों से समान मानकों के आधार पर तुलना की जा सके। इसके बाद ये नतीजे ही इन मानकों को अपनाने और रिपोर्ट करने को बढ़ावा देंगे। इसका लाभ उठाकर भारत अपने हेल्थकेयर की गुणवत्ता में सुधार लाता है और साथ ही यह भी दिखा सकता है कि वह वैश्विक मानकों का पालन करता है।

क्लीनिकल नतीजे, वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य होते हैं और ये रोगी की देखभाल कर स्वास्थ्य या जीवन की गुणवत्ता में प्रमाण आधारित मापनीय बदलाव लाते हैं। परिणामों की रिपोर्टिंग करने और उनकी निरंतर निगरानी करने से रोगी देखभाल की गुणवत्ता का आकलन करना और उसकी गुणवत्ता में सुधार करने का अवसर उपलब्ध होता है। उपभोक्ता अनुकूल रिपोर्टिंग और निगरानी ढांचे से क्लीनिकल नतीजों की बेहतर समझ विकसित होती है और इससे रोगियों को भी सोच–समझकर फैसले लेने में मदद मिलती है।

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड के बारे में
फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी की स्वास्थ्य सेवाओं में अस्पतालों के अलावा डायग्नॉस्टिक एवं डे केयर स्पेश्यलिटी सेवाएं शामिल हैं। फिलहाल कंपनी भारत समेत दुबई, मॉरीशस और श्रीलंका में 54 हैल्थकेयर सुविधाओं (इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जिन पर फिलहाल काम चल रहा है), करीब 10,000 संभावित बिस्तरों और 283 डायग्नॉस्टिक केंद्रों का संचालन कर रही है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

Fortis Healthcare	Avian Media
Raghu Kochar: +91 9811617256 raghu.kochar@fortishealthcare.com **Ajey Maharaj: +91 9871798573** Ajey.maharaj@fortishealthcare.com	**Rishu Singh, +91-9958891501** **rishu@avian-media.com** **Neeraj Shorya, +91- 9911856010** **neerajshorya@avian-media.com**